SAMANA, Mumbai, 12.8.2019
Page No. 4, Size:(19.22)cms X (17.09)cms.

'बुलेट' का रास्ता साफ

९७ में से ७२ गावों का सर्वे पूरा

- भूमि अधिग्रहण में गुजरात महाराष्ट्र से आगे
- २०२२ से दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

सामना संवाददाता / मुंबई

मुंबई से अमदाबाद के बीच दौड़नेवाली बुलेट ट्रेन के निर्माण का कार्य रफ्तार पकड़ने लगा है। भूमि अधिग्रहण के मामले में भले ही गुजरात महाराष्ट्र से दो कदम आगे निकल गया है लेकिन महाराष्ट्र में भी बुलेट ट्रेन के काम ने रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है। एनएचआरसीएल के अधिकारियों के अनुसार ९७ गांवों में से ७२ गांवों में सर्वे का काम पूरा हो चुका है। महाराष्ट्र में ७२ गांवों ने बुलेट ट्रेन का रास्ता साफ कर दिया है।

एनएचआरसीएल के अधिकारियों के अनुसार देश की पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य अगले साल से शुरू होगा। महाराष्ट्र में होनेवाले विधानसभा चुनाव से पहले जमीन अधिग्रहण का काम लगभग ७० प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन ने रखा है। मुंबई-अमदाबाद के बीच ५०८ किलोमीटर की दूरी तय करनेवाली बुलेट ट्रेन की शुरुआत आजादी के ७५ साल पूरे होने के मौके पर २०२२ में होनेवाली है। एक लाख करोड़ की लागतवाली इस परियोजना को नेशनल हाईस्पीड रेल कॉरपोरेशन (एनएचआरसीएल) के माध्यम से पूरा किया जाना है। एनएचआरसीएल के महाप्रबंधक (परिचालन) पंकज उके ने बताया कि ५०८ किलोमीटर में से १५५.६४ किलोमीटर महाराष्ट्र जबकि ३५२.३६ किमी का हिस्सा गुजरात में होगा।

इस परियोजना के लिए जरूरी १३७९.५९ हेक्टेयर जमीन में से ९९८.७८ हेक्टेयर जमीन निजी भूमि है। १५४.६३ हेक्टेयर जमीन सरकारी, १२७.५० हेक्टेयर भारतीय रेल और ९८.६८ हेक्टेयर जमीन वन विभाग की है। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए गुजरात में लगनेवाली कुल ७४२.१३ हेक्टेयर में से ३२५.९ हेक्टेयर जमीन के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हो गए हैं। अधिकारी ने बताया कि हम महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले करीब ६० से ७० फीसदी जमीन का अधिग्रहण कर लेंगे। उन्होंने बताया कि संयुक्त माप सर्वेक्षण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। गुजरात में १९८ गावों में से १८३ में संयुक्त माप सर्वे का काम पूरा हो गया है। जबकि महाराष्ट्र के ९७ गांवों में से ७२ में सर्वे का काम पूरा हुआ है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन दो जिलों ठाणे और पालघर से होकर गुजरेगी। तलसारी और दहाणु तहसील क्षेत्र में जमीन न देने को लेकर कुछ विरोध हुआ था लेकिन अब लोग अपनी जमीनें देने को तैयार हैं। वसई में कुछ समस्या है, जिसे जल्द सुलझा लिया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए कंस्ट्रक्शन कार्य ८ चरणों में होगा। इनमें से तीन चरण के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि २०२३ तक निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। उके ने कहा कि हमारी कोशिश है कि २०२२ में देश की आजादी के ७५ साल पूरे होने के मौके पर गुजरात के एक खंड में बुलेट ट्रेन का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि शुरुआत में सुबह ६ बजे से रात १० बजे तक अमदाबाद के साबरमती स्टेशन से मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन के बीच बुलेट ट्रेन प्रतिदिन ७० फेरे लगाएगी। मतलब ३५ फेरे साबरमती से मुंबई की ओर और ३५ फेरे मुंबई से साबरमती की ओर लेकिन धीरे-धीरे इन फेरों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी।

- एक बुलेट ट्रेन में १० कोच होंगे।
- एक ट्रेन में १,३०० लोग सवार हो सकेंगे।
- रफ्तार ३२० घंटे प्रति किलोमीटर
- बुलेट ट्रेन में दो श्रेणियां बिजनेस और स्टैंडर्ड क्लास होगी।
- बुलेट ट्रेन की प्रतिदिन ७० सेवाएं चलाई जाएंगी।

होंगे १२ स्टेशन

- मुंबई-अमदाबाद के बीच कुल १२ स्टेशन होंगे। इनके बीकेसी मुंबई-ठाणे-विरार-बोईसर-वापी-बिलीमोरा-सूरत-भरुच-वडोदरा-आनंद/नडियाद, अमदाबाद व साबरमती हैं।
- मुंबई-अमदाबाद की दूरी २ घंटे में तय होगी।
- न्यूनतम किराया रु. २५०, अधिकतम किराया रु. ३,०००।